भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र पालमपुर में मनाया 75वां गणतंत्र दिवस व स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी कार्यशाला एवं कवि सम्मेलन आयोजित

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र पालमपुर ने हर्षोल्लास के साथ 75वां गणतंत्र दिवस एवं क्षेत्रीय केन्द्र का स्थापना दिवस मनाया। डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र ने ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय गान के साथ गणतंत्र दिवस का शुभारम्भ किया।

गणतंत्र दिवस समारोह उपरान्त क्षेत्रीय केन्द्र पालमपुर का स्थापना दिवस का शुभारम्भ किया गया। स्थापना दिवस के दौरान भाषण प्रतियोगिता, हिन्दी कार्यशाला एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र ने अवगत कराया कि यह संस्थान 26 जनवरी, 1959 को अस्तित्व में आया। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पशु पोषण की समस्याओं के समाधान हेतु किया गया था, परन्तु भारत सरकार द्वारा पशु पोषण के साथ-साथ पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी कार्य करने की आवश्यकता जताई। अतः 1970 में संस्थान में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य प्रारम्भ हुआ। संस्थान द्वारा किसानों/पशुपालकों की समस्याओं का निराकरण विषय-विशेषज्ञों द्वारा समय-समय पर किया जाता है। डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र ने भाषण प्रतियोगिता के लिए आये एनकेएसडी चांद पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घुग्गर, पालमपुर के छात्राओं को विद्यार्थियों हेतु संस्थान द्वारा चालित डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्सिस् के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई।

डा. गोरख मल, स्टेशन प्रभारी द्वारा केंद्र में चल रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। स्टेशन प्रभारी ने बताया कि शोध के अलावा भी अन्य पशु अनुसंधान परियोजनाएं इस क्षेत्रीय केंद्र में चल रहीं है जिनमें जनजातीय उपयोजना और अनुसूचित जाति उपयोजना है। इन योजनाओं का उद्देश्य गरीब

लोगों की आर्थिकी उत्थान करवाने की है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा मोटे अनाजों (International Year of Millets) बाजरा, ज्वार, जों, राई इत्यादि उगाने एवं सेवन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह अनाज मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अति लाभदायक है। इसके निरन्तर सेवन से हृदय रोग, मोटापा, मधुमेह इत्यादि रोगों की संभावना काफी कम हो जाती है।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एनकेएसडी चांद पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घुग्गर, पालमपुर से हिन्दी प्रवक्ता श्रीमति मोहिनी शर्मा ने हिन्दी भाषा की उदगमता, सरलता एवं उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्राओं को संस्थान की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

स्थापना दिवस में राष्ट्रीय कवि संगम की ओर से पधारे कवियों ने अपनी-अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। कवि गोष्ठी में श्री शक्ति चन्द राणा, श्रीमती सुरेश लता अवस्थी एवं अन्य गणमान्य कवियों ने अपनी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संस्थान से डा. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक एवं श्री आर. रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी ने भी कवि सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति दी। उपरोक्त कार्यक्रम का संचालन डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया। कार्यक्रम में डा. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक, डा. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने महत्तवपूर्ण योगदान दिया। अंत में डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी प्रतिभागियों एवं सभागार में उपस्थित श्रोतागणों का केन्द्र की ओर से समारोह को सफल बनाने हेतु धन्यवाद प्रस्तुत किया।

ICAR-INDIAN VETERINARY RESEARCH INSTITUTE
(DEEMED UNIVERSITY)
REGIONAL STATION, PALAMPUR-176061 (H.P.)